नोएडा और ग्रेनो में नए डाटा सेंटर को रफ्तार मिलेगी

नोएडा, प्रमुख संवाददाता। केंद्रीय बजट में डाटा सेंटर स्थापित करने वाली कंपनियों के लिए क्लाउड सेवाओं में कर छूट 2047 तक देने की घोषणा की। इससे नोएडा और ग्रेटर नोएडा में भी इस क्षेत्र से जुड़ी और कंपनियां शुरू हो सकेंगी। इससे दोनों शहर इस क्षेत्र का हब बन सकेंगे।

नोएडा-ग्रेटर नोएडा में अभी करीब 11 डाटा सेंटर के लिए भूखंड आवंटित हैं। इनमें डाटा सेंटर संचालित हैं। आने वाले दिनों में और भूखंड आवंटित किए जाने हैं। यूपी सरकार ने इस क्षेत्र से जुड़ी कंपनियों के लिए भूखंड आवंटित करने की नीति अलग से तैयार कर रखी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आठ मार्च 2025 को नोएडा के सेक्टर-132 में सीफी कंपनी के एआई सक्षम डाटा सेंटर का लोकार्पण किया था। यह कंपनी 10 हजार करोड़ रुपये का निवेश करेगी और 700 लोगों को रोजगार देगी। यह उत्तर भारत के सबसे बड़े एआई रेडी डाटा सेंटर में से एक है। यह एआई मिशन और डिजिटल परिवर्तन के प्रति प्रतिबद्धता को मजबूत करेगा। यह डाटा सेंटर 220 केवी के ऑन-प्रिमाइज सबस्टेशन के साथ काम करता है। यह उच्च घनत्व वाले सर्वर का समर्थन करता है। इससे पहले भी कई नामी कंपनियों के डाटा सेंटर जिले में संचालित हैं।

ग्रेटर नोएडा में योट्टा का एक डाटा सेंटर पहले से ही स्थित है। एक अन्य कंपनी ने दूसरे डाटा सेंटर का काम भी शुरू कर दिया है। योट्टा डी1 डाटा सेंटर उत्तर भारत के डाटा सेंटर का गेटवे होने के साथ ही कई बिंदुओं में खास माना जा रहा है। 250 मेगावाट की क्षमता वाले इस डाटा सेंटर स्टोरेज का आंकलन इससे लगाया जा सकता है कि इसमें 60 लाख हाई डेफिनेशन (एचडी) की फिल्मों के डाटा को स्टोर किया जा सकता है। इस डाटा सेंटर का यह केवल डी-1 पार्ट था। इसके अलावा डी-2 और डी-3 पार्ट का काम चल रहा है। वहीं, नॉलेज पार्क-5 में ही ग्रेटर नोएडा के दूसरे डाटा सेंटर का काम चल रहा है। करीब 10 एकड़ में फैले इस डाटा सेंटर की क्षमता 250 मेगावाट से अधिक होगी। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने पूर्व में डाटा सेंटर के लिए 13 भूखंडों की योजना निकाली थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नवंबर 2022 में ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क-5 में डाटा सेंटर का लोकार्पण किया था। जिले में कई और डाटा सेंटर का काम चल रहा है।

2025 में सेक्टर-132 में सीफी कंपनी के डाटा सेंटर का लोकार्पण हुआ

10 हजार करोड़ रुपये का निवेश करेगी एक कंपनी नोएडा में

11 डाटा सेंटर के लिए भूखंड आवंटित हुए नोएडा और ग्रेटर नोएडा में

स्टार्टअप को भी बढ़ावा मिलेगा

बजट में की गई घोषणा से भारतीय स्टार्टअप और कंपनियों को भी फायदा होगा, क्योंकि उन्हें लोकल क्लाउड सर्विस सस्ती मिलेगी। डाटा कानूनों को फॉलो करना आसान होगा। अभी तक अधिकांश आईटी कंपनियां और स्टार्टअप विदेशी क्लाउड सर्विस पर निर्भर हैं। अगर देश में बड़े डाटा सेंटर्स बनते हैं तो लोकल कंपनियों को कम खर्च में स्टोरेज, एआई कम्प्यूटिंग और हाई स्पीड नेटवर्क मिलेगा। इसके अलावा डाटा सेंटर से भारतीय कंपनियों के लिए नए मौके खुलेंगे।

50 हजार फ्लैट बन सकेंगे

जिले में अटकी ग्रुप हाउसिंग परियोजनाओं के काम को रफ्तार मिलेगी। बजट से नोएडा-ग्रेटर नोएडा की अलग-अलग परियोजनाओं में 50 हजार से अधिक फ्लैट बनने का रास्ता खुल गया है। ब्योरा P 03